



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 10, 1998/पौष 20, 1919

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1998/PAUSA 20, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक
नियम (जिनमें प्रत्येक प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a General Character) issued by the Ministries of the
Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the
Administration of Union Territories)

ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1997

सा.का.नि. 13.—पोस्ता दाना श्रेणीकरण और
चिन्हांकन नियम, 1997 का प्रावधान, कृषि उपज
(श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का
1) की धारा 3 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र,
भाग II, खण्ड 3, उपखंड (i) तारीख 10 अप्रैल, 1997
के पृष्ठ 1588 से 1594 पर सा.का.नि. 228 के
रूप में भारत सरकार के ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय
की अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया गया था जिसमें
उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की
संभावना थी, उस तारीख में जिसको उस अधिसूचना
से युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी
जाएँ, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व
आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 23 मई,
1997 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रावधान नियमों के
संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर
सम्यक् रूप से विचार कर लिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और
चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की
धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और
पोस्ता दाना (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) नियम, 1964
का अधिक्रमण करते हुए, उन बातों के विषय में जो ऐसे
अधिक्रमण से पूर्व की गई हैं या करना का लोप किया
गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है; अर्थात्:—

प्रावधान नियम

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ:— (1)
इन नियमों का संक्षिप्त नाम पोस्ता दाना श्रेणीकरण और
चिन्हांकन नियम, 1997 है।

(2) ये पोस्ता दाना (पापाबेर सोमनिफेदम) को लागू होंगे,

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे ।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय, जिसे इन नियमों के उपबन्ध के अनुसार पोस्ता दाना का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिये प्राधिकार प्रमाण-पत्र अनुदत्त किया गया है ;

(ग) “प्राधिकार प्रमाण पत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन जारी किया गया प्रमाण पत्र अभिप्रेत है ;

(घ) “अनुसूची” से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी अभिधान :—पोस्ता दाना की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिये वे श्रेणी अभिधान होंगे जो अनुसूची 3 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित है ।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—प्रत्येक श्रेणी अभिधान और सामान्य अभिलक्षणों द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 3 के स्तम्भ 2 से 7 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपवर्णित है ।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :—श्रेणी अभिधान चिन्ह में निम्नलिखित होंगे —

(1) एक लेबल जिस पर उत्पाद का नाम, श्रेणी, अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस पर अनुसूची 1 में यथा-उपवर्णित से मिलता हुआ एक डिजाइन होगा जिसमें “AGMARK” “एगमार्क” शब्द के साथ भारत के मानचित्र का रेखा-चिन्ह और उदय होते हुए सूर्य का चित्र होगा,

(2) अनुसूची-2 में यथा-उपवर्णित मिलती हुई “AGMARK” “एगमार्क” प्रतिकृति जिसमें प्राधिकार प्रमाणपत्र का संख्यांक सम्मिलित करते हुए एक डिजाइन “AGMARK” “एगमार्क” शब्द, उत्पाद का नाम, श्रेणी अभिधान होगा ;

परन्तु एगमार्क लेबलों के बदले एगमार्क प्रतिकृति का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरों के लिये अनुज्ञात होगा जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुज्ञा दी गई है और ऐसा साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन विहित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए होगा ।

6. पैक करने की पद्धति :—

(1) श्रेणीकृत वस्तु स्वच्छ, मजबूत और सूखे आधानों में पोलीप्रोपिलिन के अस्तर वाले केवल जूट के थैलों, कपड़े के थैलों, पोलीवोवन थैलों, कागज के थैलों में पैक की जायेगी ।

(2) उपभोक्ता पैकों की दशा में पोलीथिलीन या न्यूनतम 100 माइक्रोन के पालीप्रोपिलीन और धात्विक पोलिस्टर पाउचों या कोई ऐसी अन्य पैकिंग सामग्री का उपयोग किया जायेगा जो क्रेता द्वारा अपेक्षित हों और कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित की जा सके, परन्तु यह तब जबकि यह पैकिंग सामग्री ऐसी खाद्य श्रेणी सामग्री से विनिर्मित की गई है जो खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन अनुज्ञात है ।

(3) आधान कीट ग्रसन, कवक संदूषण, हानिकारक पदार्थों और किसी अवांछित अथवा घृणाजनक दुर्गन्ध से मुक्त होंगे ।

(4) उपयुक्त संख्या में उपभोक्ता पैकेट जिनमें उसी श्रेणी अभिधान और उसी लॉट/बैच की श्रेणीकृत सामग्री है, मास्टर आधान जैसे कि काष्ठ पेटियां, कांड बोर्ड, गत्ता बक्सों में, उस शर्त के अध्वधीन रहते हुए कि प्रत्येक उपभोक्ता पैक समुचित श्रेणी अभिधान चिन्ह धारण करेगा और उसके ब्योरे मास्टर आधान पर चिपकाये गये लेबल के साथ बांधकर उपदर्शित किये जायेंगे, पैक किये जा सकेंगे ।

(5) प्रत्येक आधान सुरक्षित रूप से बंद और यथोचित रूप से सील किया जायेगा ।

7. चिन्हांकन की पद्धति :—(1) श्रेणी अभिधान चिन्ह प्रत्येक आधान पर मजबूती से लगाया या स्पष्ट रूप से और अमिट रूप से मुद्रित किया जायेगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां आधान पर स्पष्ट और अमिट रूप से मुद्रित की जायेंगी :—

- (1) पैकर का नाम और पता,
- (2) पैकिंग का स्थान,
- (3) पैकिंग की तारीख, मास और वर्ष में,
- (4) शुद्ध भार,
- (5) लॉट/बैच संख्यांक,
- (6) मूल्य,
- (7) अवसान की तारीख

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन, सलाहकार ब इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी

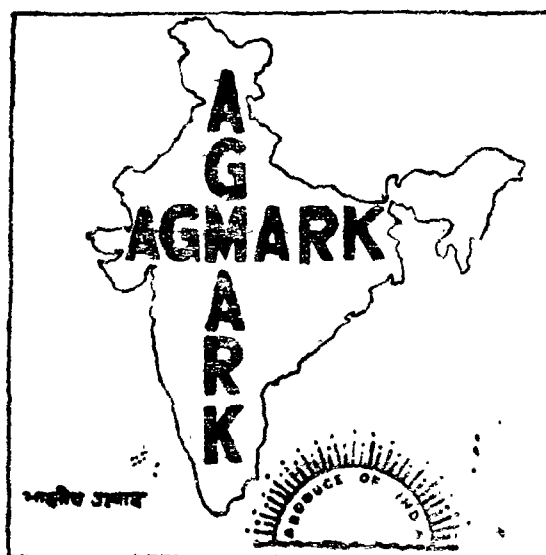
अधिकारी के पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार श्रेणीकृत पैकेजों पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड लगा सकेगा परन्तु यह तब जब कि वह ऐसी क्वालिटी या श्रेणी उपदर्शित नहीं करता है जो नियमों के अनुसार श्रेणीकृत पैकेजों पर लगाये गये श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित से भिन्न है।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिये विशेष शर्तें—
साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के अधीन पोस्ता दाना के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिये प्राधिकार प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिये अतिरिक्त शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

अनुसूची-1

[नियम 5(i) देखिए]

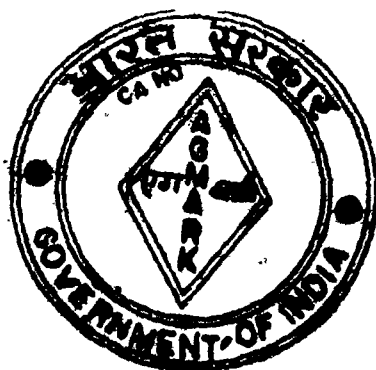
एगमार्क लेबल का डिजाइन



अनुसूची-2

[नियम 5 (ii) देखिए]

एगमार्क प्रतीकृत का डिजाइन



वस्तु का नाम

श्रेणी

(1) प्राधिकृत पैकर पोस्ता दाना की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिये साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 9 के अनुसार या तो अपनी प्रयोगशाला स्थापित करेगा जिसमें कृषि विपणन सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित कोई अहित रसायनज्ञ होगा या उसकी इस प्रयोजन के लिये अनुमोदित राज्य श्रेणीकरण प्रयोगशाला या प्राइवेट वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुँच होगी।

(2) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिये परिसर पूर्ण रूप स्वस्थकर और स्वच्छ अवस्था में रखी जायेगी।

(3) इन संक्रियाओं में लगे कार्मिक, पूर्णतः स्वस्थ और किसी सांसारिक रोग से मुक्त होंगे।

अनुसूची-3

(नियम 3 और 4 देखिए)

पोस्ता दाना के श्रेणी अभिवान और क्वालिटी की परिभाषाएँ

क्वालिटी की परिभाषा					
श्रेणी अभिवान	विशेष विनिर्दिष्टताएँ				
	द्रव्यमान के आधार पर कार्बोनिंक बाह्य पदार्थ प्रतिशत (अधिकतम)	द्रव्यमान के आधार पर अकार्बोनिंक बाह्य पदार्थ प्रतिशत (अधिकतम)	द्रव्यमान के आधार पर क्षतिग्रस्त और विविणित दाना प्रतिशत (अधिकतम)	द्रव्यमान के आधार पर नमी प्रतिशत (अधिकतम)	शुष्क भार के आधार पर द्रव्यमान अवशेष ईथर मिश्रण प्रतिशत (न्यूनतम)
1	2	3	4	5	6
श्रेणी-I	0.50	0.50	0.5	11.0	50.0
श्रेणी-II	1.00	0.75	1.0	11.0	45.0
श्रेणी-III	2.00	1.0	1.0	11.0	40.0
साधारण लक्षण					
7					

पोस्ता दाना—

- पापावर सोमलिफोरम के सूखे हुए परिपक्व दाने होंगे;
- आकार, गठन और रंग में एक रूप होंगे;
- कठोर, साफ, स्वास्थ्यप्रद होंगे और फफूंदी, धुन, बृणजनक दुर्गन्ध, अपवर्णताओं, हानिकारक पदार्थों को मिलावट तथा अनुसूची में उपरिष्ठित मात्र के सिवाय अन्य अशुद्धियों से मुक्त होंगे;
- अच्छी वाणिज्यिक दशा में होंगे;
- विकृतगंधिता, कृन्तक संदूषण, कीटप्रमत्त तथा अतिरंजित सामग्री से मुक्त होंगे;
- अपजाटाकसन, अन्तर्दस्तु, धात्विक संदूषण और कीटनाशी/पेस्टोसाईड अवशेषों, विपाकत धातु, फसल संदूषण, प्राकृतिक रूप से उत्पन्न टॉक्सिक पदार्थों के संबंध में खाद्य अपशिष्टन निवारण नियम, 1955 में निर्हित निबंधनों का अनुपालन किया जायेगा।

स्पष्टीकरण—

- कार्बोनिंक बाह्य पदार्थ: पोस्ता दाना से भिन्न पौधों के उद्भिज्य पदार्थ अभिप्रेत हैं।
- अकार्बोनिंक बाह्य पदार्थ: से बालू, पत्थर, मिट्टी, गन्दी, धूल या कोई अन्य अकार्बोनिंक पदार्थ अभिप्रेत है।
- क्षतिग्रस्त और विविणित: से, वे क्षतिग्रस्त या विविणित दाने अभिप्रेत हैं, जो क्वालिटी की तात्त्विक रूप से प्रभावित करते हैं।

[फा.सं. 18011/4/96-एम.-II]

बी.एन. मिश्र, अधिक सलाहकार (कृषि विपणन)

MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 16th December, 1997

G.S.R. 13.—Whereas the draft of Poppy seeds Grading and Marking Rules, 1996 were published, as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) under the Notification of the Government of India in the Ministry of Rural Areas & Employment number G.S.R. 228, dated the 10th April, 1997 at pages 1588 to 1594 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Gazette containing the said Notification are made available to the public;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 23rd May, 1997;

And whereas the objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have duly been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, (1 of 1937) and in supersession of the Poppy Seeds Grading and Marking Rules, 1964, except as respects things done or omitted to be done before such supersession the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

DRAFT RULES

1. Short title, application and commencement.—These rules may be called the Poppy Seeds Grading and Marking Rules, 1997.

(2) They shall apply to Poppy Seeds (*Papaver Somniferum*)

(3) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Agricultural Marketing Adviser” means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) “Authorised packer” means a person or a body of persons who has been granted certificate of authorisation to grade and mark Poppy Seeds in accordance with the provision of these rules;

(c) “Certificate of authorisation” means certificate issued under the General Grading and Marking Rules, 1988;

(d) “Schedule” means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—The grade designations to indicate the quality of the Poppy Seeds shall be as set out in column 1 of Schedule III.

4. Definition of quality.—The quality indicated by such grade designation and general characteristics shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 7 of Schedule III.

5. Grade designation mark.—The grade designation marks shall consist of,—

(i) a label specifying name of the produce, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with word “AGMARK” and figure of the rising sun resembling the one as set out in Schedule-I;

(ii) “Agmark Replica” consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word “AGMARK”, name of the produce, grade designation and resembling the one as set out in Schedule-II;

Provided that the use of AGMARK replica in lieu of AGMARK labels shall be allowed only to such authorised packers who have been granted permission by the Agricultural Marketing Adviser or an Officer authorised by him in this behalf and subject to the conditions prescribed under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of packing.—(1) The graded article shall be packed in clean, sound and dry containers using lining of polypropylene, in jute bags, cloth bags, polywoven bags, paper bags only;

(2) In the case of consumer packs polyethylene or polypropylene of minimum 100 microns and metallised polyester voucher or any other packing materials as may be required by the buyer and approved by the Agricultural Marketing Adviser or an Officer authorised by him in this regard shall be used, provided that the packing material is manufactured out of food grade materials as permitted under prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(3) The containers shall be free from insect infestation, fungus contamination, deleterious substances and any undesirable or obnoxious smell;

(4) Suitable number of consumer packets containing graded material of the same grade designation and from the same lot/batch may be packed in master containers, such as wooden cases, cardboard

cartons, subject to the condition that each consumer pack shall carry appropriate grade designation mark, and the detail thereof shall be indicated on the tie-on label affixed to the master container;

(5) Each container shall be security closed and suitably seal.

7. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly marked on the container—

(2) In addition to the grade designation mark the following particulars shall be clearly and indelibly marked on the container—

- (i) Name and address of the packer;
- (ii) Place of packing;
- (iii) Date of packing in month and year;
- (iv) Net weight;
- (v) Lot/batch number;
- (vi) Price;
- (vii) Date of expiry.

(2) In addition to the grade designation mark prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any Officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988, affix his private trade mark or trade brand label on graded packages provided that the same does not indicate quality or grade other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages in accordance with these rules.

8. Special conditions for Grant of Certificate of Authorisation.—In addition of the conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be the additional conditions for grant of certificate of authorisation for grading and marking Poppy Seeds under the rules, namely—

- (1) The authorised packer shall either set up his own laboratory manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or an Officer authorised by him in this behalf in accordance with rule 9 of the General Grading and Marking Rules, 1988, for testing the quality of Poppy Seeds or have access to

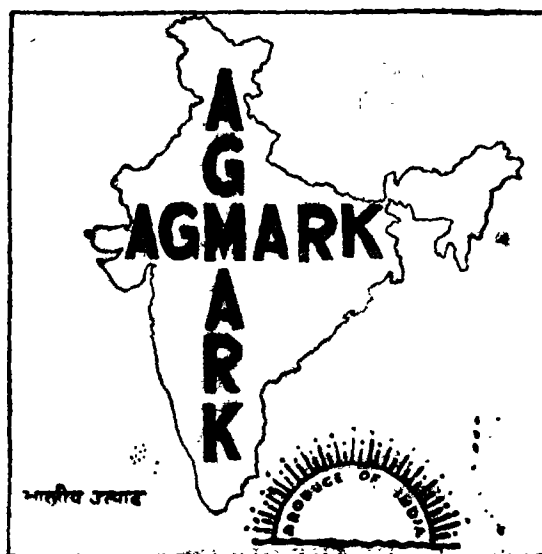
the State Grading Laboratory or Private Commercial Laboratory approved for the purpose;

- (2) The premises for processing, grading and packing shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions;
- (3) The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any contagious disease.

SCHEDULE—I

[See Rule 5 (i)]

DESIGN OF THE AGMARK LABEL



SCHEDULE—II

[See Rule 5(ii)]

DESIGN OF AGMARK REPLICA



NAME OF COMMODITY.....
GRADE.....

SCHEDULE III

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Poppy seeds

Definition of quality					
Special characteristics					
Grade designations	Organic extraneous matter percent by mass (Maximum)	Inorganic extraneous matter percent by mass (Maximum)	Damaged and discoloured seeds percent by mass (Maximum)	Moisture percent by mass (Maximum)	Non volatile Ether Extract percent by mass on dry weight basis (Minimum)
1	2	3	4	5	6
Grade-I	0.50	0.50	0.5	11.0	50.0
Grade-II	1.00	0.75	1.0	11.0	45.0
Grade-III	2.00	1.00	1.0	11.0	40.0

General Characters

7

Poppy seeds shall,—

- be the dried mature seeds of *Papaver somniferum*;
- have uniform size, shape and colour;
- be hard, clean, wholesome and free from moulds, weevils, obnoxious smell, discolourations, admixture of deleterious substances and other impurities except to the extent indicated in the Schedule;
- be in sound merchantable condition;
- be free from rancidity, rodant contaminations, insect infestation, added colouring matter;
- comply with the restrictions in regard to aflatoxin content, metallic contaminants and insecticide/pesticide residues, poisonous metals, crop contaminants, naturally occurring toxic substances as prescribed under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

Explanation:—

- Organic extraneous matter—means vegetative matter of plants other than Poppy seeds.
- Inorganic extraneous matter—means sand, stones, earth, dirt, dust or any other inorganic matter;
- Damaged and discoloured—means seeds that are damaged or discoloured materially affecting the quality.

[F.No. 18011/4/96-M. II]

V.N. MISRA, Economic Adviser (Agricultural Marketing)

नई दिल्ली. 16 दिसम्बर, 1997

सा. का नि 14.—बूरा चीनी श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1996 का प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 227 तारीख 10 अगस्त, 1997 को भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखण्ड (i) में पृष्ठ 1581 से 1588 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से जिस तारीख को इस अधिसूचना में युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैतालीन दिन की अवधि समाप्त होने से पूर्व, आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे,

और राजपत्र की प्रतियां जनता को 30 मई, 1997 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और बूरा (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) नियम, 1943 को अधिक्रान्त करने हुए, सिवाय उन बातों के जो ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई हैं या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बूरा चीनी श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1997 है;
- (2) ये किसी किस्म की चीनी के घोल के निर्यात कड़ाह या वाष्पकों के उपयोग के बिना पुनःव्यथन द्वारा उत्पादित रवाहीन चीनी बूरा को लागू होंगे।

(3) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे;

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से अभिप्रेत है ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय, जिसे इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट श्रेणी मानकों या प्रक्रिया के अनुसार बूरा का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिये प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है;

(ग) “प्राधिकार प्रमाण पत्र” से साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के उपबन्धों के अधीन जारी किया गया प्रमाण पत्र अभिप्रेत है,

(घ) “अनुसूची” से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अधिधान:—बूरा चीनी की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिये श्रेणी अधिधान अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित है।

4. क्वालिटी की परिभाषा:—सम्बद्ध श्रेणी अधिधान और सामान्य अभिलक्षणों द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 8 में प्रत्येक श्रेणी अधिधान के सामने उपवर्णित है।

5. श्रेणी अधिधान चिन्ह:—श्रेणी अधिधान चिन्ह में निम्नलिखित होगा:—

(1) एक लेबल जिस पर उत्पाद का नाम, श्रेणी अधिधान विनिर्दिष्ट होगा और उस अनुसूची-1 में यथाउपवर्णित से मिलता हुआ एक डिजाइन होगा जिसमें “AGMARK” “एगमार्क” शब्द के साथ भारत के मानचित्र का रेखाचित्र और उदय होते हुए सूर्य का चित्र होगा,

(2) अनुसूची-1क में यथाउपवर्णित से मिलती हुई “एगमार्क” प्रतिकृति जिसमें प्राधिकार प्रमाण पत्र का संख्यांक सम्मिलित करते हुए एक डिजाइन “एगमार्क” शब्द, उत्पाद का नाम और श्रेणी अधिधान होगा;

परन्तु एगमार्क लेबलों के बदले एगमार्क प्रतिकृति का उपयोग केवल ऐसे प्राधिकृत पैकरों के लिये अनुज्ञात होगा, जिन्हें कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा आवश्यक अनुज्ञा दी गई है और ऐसा साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के अधीन विहित शर्तों के अध्वधीन रहने हुए होगा।

6. पैकर करने की रीति:—(1) श्रेणीकृत वस्तु स्वच्छ, मजबूत और सूखे आधानों में जैसे जूट के थैलों, कपड़े के थैलों, पालीथीलीन थैलों, कागज के थैलों, जिनमें 100 माइक्रोन्स पालीथीलीन या पाली प्रोपिलीन का अस्तर लगा हो, और/या कोई अन्य ऐसी पैकिंग सामग्री जो केना द्वारा अक्षित और/या कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित की जाये, में पैक की जायेगी, परन्तु यह कि पैकिंग सामग्री खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन यथा अनुज्ञात खाद्य श्रेणी सामग्री में से विनिर्मित की जाएगी;

(2) जिन आधानों का उपयोग किसी वस्तु के लिये पहले किया गया है जिससे बूरा खराब होने या उसमें किसी अरुचिकर गंध, दुर्गन्ध या अन्य अवांछित

अभिलक्षणों के पैदा होने की संभावना ही, का उपयोग नहीं किया जाएगा;

(3) खांड से तैयार बुरा चीनी को कारखाने की चीनी से बनाये गये बुरा चीनी से पृथक् रूप से पैक किया जायेगा और प्रत्येक आधान में केवल एक ही क्वालिटी और श्रेणी की बुरा चीनी अन्तर्विष्ट होगी।

(4) आधान कीटग्रसन, कवक संदूषण, हानिकारक पदार्थों और किसी अवांछित गंध या दुर्गन्ध से मुक्त होंगे;

(5) उपयुक्त संख्या में उपभोक्ता पैकेट जिसमें उसी श्रेणी अभिधान और उसी लाट/बैच को श्रेणीकृत सामग्री है, मास्टर आधान जैसे कि काष्ठ पेटियां और कार्ड बोर्ड के बक्सों में पैक किया जा सकेगा। यह इन शर्तों के अधीन रहते हुए होगा कि प्रत्येक उपभोक्ता पैक पर समुचित श्रेणी अभिधान चिन्ह होगा और उसके व्योरे होंगे और मास्टर आधान पर चिपकाये गए लेबल के साथ बांधकर उपदर्शित किये जायेंगे;

(6) प्रत्येक आधान सुरक्षित रूप से बन्द और उचित रूप से सील किया जायेगा।

7. चिन्हांकन की रीति :—(1) श्रेणी अभिधान प्रत्येक आधान पर मजबूती से लगाया या स्पष्ट रूप से अमिट रूप से मुद्रित किया जायेगा :

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह और वस्तु के नाम के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्टियां आधान पर स्पष्ट और अमिट रूप से चिन्हित की जायेंगी :

- (क) पैकर का नाम और पता;
- (ख) पैकिंग का स्थान;
- (ग) पैकिंग की तारीख, मास और वर्ष ;
- (घ) शुद्ध भार;
- (ङ) लाट/बैच संख्यांक;
- (च) मूल्य;
- (छ) अवसान तिथि।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त क्वालिटी करने के 3290 GI/97—2

पश्चात् साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 11 के अनुसार श्रेणीकृत पैकेजों पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह या व्यापार ब्रांड लेबल अंकित कर सकेगा। परन्तु यह तब जब कि वह ऐसी क्वालिटी उपदर्शित नहीं करता है जो श्रेणीकृत पैकेजों पर लगाये श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपदर्शित से भिन्न है।

8. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें :—साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 3 के उपनियम (8) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के अन्तर्गत बुरा के श्रेणीकरण और चिन्हांकन के लिये प्राधिकार प्रमाण पत्र के मंजूर करने के लिये अतिरिक्त शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

(1) प्राधिकृत पैकर बुरा चीनी की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिये या तो साधारण श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1988 के नियम 9 के अनुसार अपनी प्रयोगशाला स्थापित करेगा जिसमें कृषि विपणन सलाहकार या इस संबंध में उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा अनुमोदित कोई अहित रसायनज्ञ हो या प्राइवेट वाणिज्यिक प्रयोगशाला में पहुंच होगी ;

(2) प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकिंग के लिये परिसर पूर्ण स्वास्थ्य और स्वच्छता की अवस्था में रखी जाएगी;

(3) इन संक्रियाओं में लगे कामिक पूर्णतः स्वस्थ और किसी सांसर्गिक रोग से मुक्त होंगे;

(4) श्रेणीकरण प्रयोगशाला वस्तु के परीक्षण करने के लिये सभी आवश्यक रसायनों और उपकरणों से पूर्णतः सुसज्जित होगी;

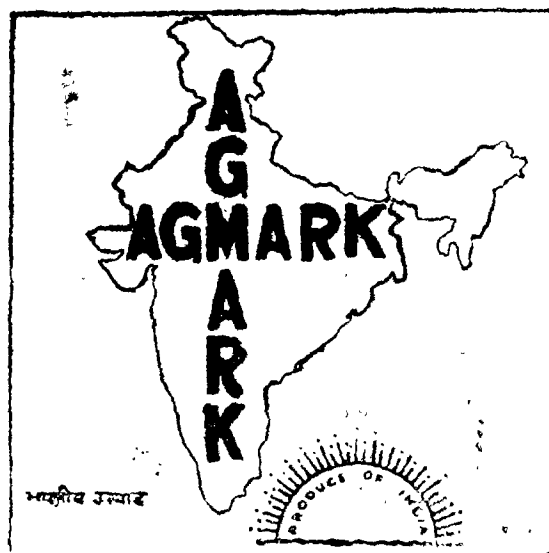
(5) प्राधिकृत पैकर वस्तु का श्रेणीकरण और चिन्हांकन करने के लिये अनुमोदित रसायनज्ञ को सभी आवश्यक सुविधाओं और सहायक का प्रबन्ध करेगा;

(6) प्राधिकृत पैकर बुरा चीनी के विश्लेषण और श्रेणीकरण का समुचित रिकार्ड रखेगा।

अनुसूची-1

[नियम 5(1) देखिए]

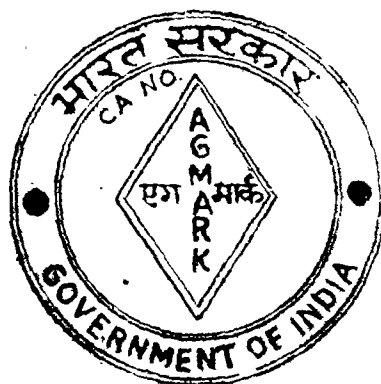
एगमार्क लेबल का डिजाइन



अनुसूची-1-क

[नियम 5(2) देखिए]

एगमार्क प्रतिकृति का डिजाइन



वस्तु का नाम

NAME OF COMMODITY.....

श्रेणी

GRADE

अनुसूची-2

(नियम 3 और 4 देखिए)

बूरा चीनी के श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषाएं

क्वालिटी की परिभाषाएं

विशेष विशिष्टताएं

श्रेणी अभिधान	भार के अनुसार बाह्य पदार्थ प्रतिशत (अधिकतम)	भार के अनुसार सुक्रांश प्रतिशत (न्यूनतम)	भार के अनुसार अम्ल अपचलनशील भस्म प्रतिशत (अधिकतम)	पी.पी.एम. में एस ओ ₂ अन्तर्बस्तु (अधिकतम)	भार के अनुसार आर्द्रता प्रतिशत (अधिकतम)	रंग निम्नलिखित से अधिक गहरा नहीं
1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी-I	0.1	95.0	0.50	80	1.0	जति सफेद/दूधिया सफेद/
श्रेणी-II	0.1	90.0	0.70	110	1.5	सफेद/चांदनी/ढेले से गहरा
श्रेणी-III	0.1	90.0	0.70	140	2.0	क्रीम

साधारण विशिष्टताएं

8

बूरा चीनी

- (क) अनन्य रूप से या तो खांड* से या कारखाना चीनी से, प्रयोग में लिये गये उत्पाद को पर्याप्त रूप से परिष्कृत करके पुनः गलाने के पश्चात् तैयार किया जायेगा जिसमें भार के अनुसार न्यूनतम 90 प्रतिशत सुक्रोस अंतर्विष्ट होगा :
- (ख) बारीक बुलई गठन का और ढेलों से मुक्त होगा;
- (ग) किसी आक्षेपणीय वास, धूल, गंदगी, लौह-चूर्ण तथा मिलाये गये रंजक पदार्थ से मुक्त होगा;
- (घ) एप्लेटाक्सिन अन्तर्बस्तु धात्विक संदूषक, कीटनाशी अवशेष, विषैली धातु, फसल संदूषक प्राकृतिक रूप से उद्भूत टाक्सिक पदार्थों के बारे में खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में विहित निबन्धनों का अनुपालन करेगा।

*स्वर (हार्डिज़िला बैरटीसिलेट) से या एक्सेल्लेन द्वारा राब की अभिक्रिया से (खुले कड़ाहों में तैयार मास्कवीट द्वारा तैयार) तैयार सफेद पाउडर चीनी।

टिप्पण :—निर्मलीकरण की प्रक्रिया इस प्रयोजन के लिये सामान्य रूप से प्रयोग में लाये जाने वाले कारकों में से किसी के, जिसमें दूध, सूखी (कूड सोडियम कार्बोनेट और सोडियम सल्फेट का मिश्रण) नींबू रस, टाटरी (टार्टरेट) फिटकरी या मिण्टी (हिबिस्कस एक्सुलेन्टुस) पानी भी सम्मिलित है, द्वारा की जा सकती है। विरंजन कारकों का उपयोग भी किया जायेगा।

[फा.सं. 18011/1/96-एम.-II]

बी.एन. मिश्र, आर्थिक सलाहकार (कृषि विपणन)

New Delhi, the 16th December, 1997

G.S.R. 14.—Whereas the draft of Bura Sugar Grading and Marking Rules, 1996 were published, as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) under the Notification of the Government of India in the Ministry of Rural Area and Employment number G.S.R. 227, dated the 10th April, 1997 at pages 1581 to 1588 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Gazette containing the said Notification are made available to the public;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 30th May, 1997;

And whereas the objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have duly been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, (1 of 1937) and in supersession of the Bura (Grading and Marking) Rules, 1943 except as respects things done or omitted to be done before such supersession the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and application.—(1) These rules shall be called the Bura Sugar Grading and Marking Rules, 1997;

2. They shall apply to Bura amorphous Sugar produced by reboiling without the use or vacuum pans or evaporators or a solution of any form of sugar;

3. They shall come into force from the date of their final publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context, otherwise requires—

(a) “Agricultural Marketing Adviser” means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) “Authorised packer” means a person or a body of persons who has been granted certificate of authorisation to grade and mark Bura in accordance with the provisions of these rules;

(c) “Certificate of authorisation” means a certificate issued under the General Grading and Marking Rules, 1988;

(d) “Schedule” means a Schedule annexed to these rules.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality of Bura Sugar shall be as set out in column 1 of Schedule II.

4. Definition of quality.—The quality indicated by such grade designation and general characteristics shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 8 of Schedule II.

5. Grade of designation mark.—The grade designation mark shall consist of—

(i) a label specifying name of the produce, grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word “AGMARK” and figure of the rising sun resembling the one as set out in Schedule I;

(ii) “AGMARK replica” consisting of a design incorporating the number of certificate of authorisation, the word “AGMARK”, name of the produce and grade designation resembling the one as set out in Schedule I-A;

Provided that the use of AGMARK replica in lieu of AGMARK labels shall be allowed only to such authorised packers who have been granted permission by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this regard and subject to the conditions prescribed under the General Grading and Marking Rules, 1988.

6. Method of packing.—(1) The graded article shall be packed in clean, sound and dry containers such as jute bags, polywoven bags, paper bags using water proof lining of 100 microns polyethylene or polypropylene and/or any other packing material as may be required by the buyer and/or approved by the Agricultural Marketing Adviser or any other officer authorised by him in this behalf provided that the packing material is manufactured out of food grade materials as permitted under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955;

(2) Containers which have been previously used for commodity likely to cause damage or impart any obnoxious flavour odour or other undesirable characteristics to the Bura, shall not be employed;

(3) Bura Sugar prepared from Khand shall be packed separately from Bura Sugar made from factory sugar and each container shall contain Bura Sugar of one conform quality and grade.

(4) The container shall be free from insect infestation, fungus contamination, deleterious substances and any undesirable or obnoxious smell;

(5) Suitable number of consumer packets containing graded material of the same grade designations and from the same lot/batch may be packed in master containers, such as wooden cases and cardboard cartons subject to the conditions that each consumer pack shall carry appropriate grade designation mark and the details thereof shall be indicated on the tie-on label affixed to the master container;

(6) Each container shall be securely closed and suitably sealed.

7. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to or clearly and indelibly printed on each container;

(2) In addition to the grade designation mark, and name of the commodity the following particulars shall be clearly and indelibly marked on the container :

- (a) Name and address of the packer;
- (b) Place of packing;
- (c) Date of packing in month and year;
- (d) Net weight;
- (e) Lot/Batch number;
- (f) Price;
- (g) Date of expiry;

(3) An authorised packer may, after obtaining prior approval of the Agricultural Marketing Adviser or any officer authorised by him in this behalf, in accordance with rule 11 of the General Grading and Marking Rules, 1988, affix his private trade mark or trade brand label on graded packages, provided that the same does not indicate quality other than that indicated by the grade designation mark affixed to the graded packages.

8. Special conditions for grant of certificate of authorisation.—In addition to the conditions specified in sub-rule (8) of rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1988, the following shall be additional conditions for grant of certificate of authorisation for grading and marking Bura under these rules, namely :—

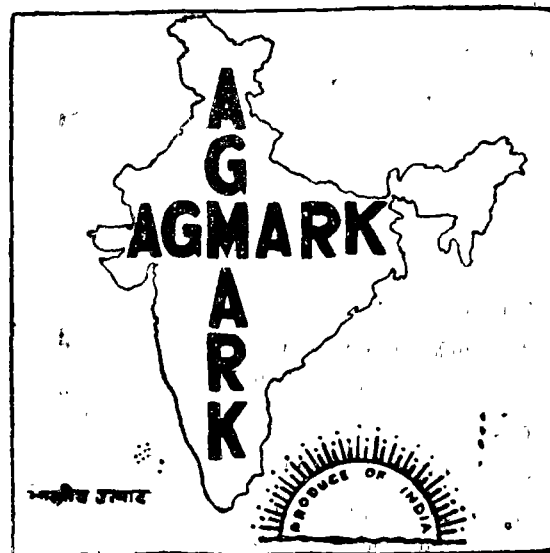
- (1) The authorised packer shall either set up his own laboratory manned by a qualified chemist approved by the Agricultural Marketing Adviser or an officer authorised by him in this behalf in accordance with rule-9 of the General Grading and Marking Rules, 1988, for testing of quality of Bura Sugar or have access to the State grading laboratory or private commercial laboratory approved for the purposes;
- (2) The premises for processing, grading and packing shall be maintained in perfect hygienic and sanitary conditions;

- (3) The personnel engaged in these operations shall be in sound health and free from any contagious disease;
- (4) The grading laboratory shall be fully equipped with all necessary chemicals and apparatus for testing the commodity;
- (5) The authorised packer shall provide all necessary facilities and assistance to the approved chemist for carrying out the grading and marking of the commodity;
- (6) The authorised packer shall maintain proper records of analysis and grading of Bura Sugar.

SCHEDULE—I

[see rule 5(i)]

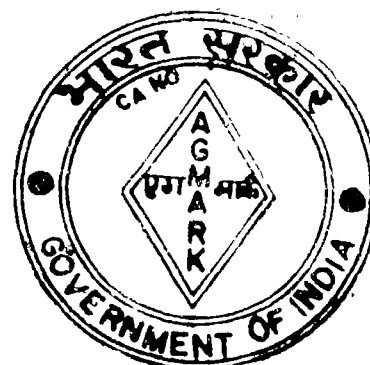
Design of the Agmark label



SCHEDULE—II

[see rule 5(ii)]

Design of the Agmark replica



Name of the commodity_____

Grade_____

SCHEDULE-II
(See rule 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Bura Sugar

Definition of quality						
Special characteristics						
Grade designations	Extraneous matter % by weight	Sucrose % by weight	Acid in-soluble ash % by weight	SO ₂ content in PPM	Moisture % by weight	Colour not dark than
	(maximum)	(minimum)	(maximum)	(maximum)	(maximum)	
1	2	3	4	5	6	7
Grade-I	0.1	95.0	0.50	80	1.0	Extra white/Milk white
Grade-II	0.1	90.0	0.70	110	1.5	White/Moon Light
Grade-III	0.1	90.0	0.70	140	2.0	Dark cream in lumps
General characteristics						
8						

The Bura Sugar—

- (a) shall be prepared exclusively from either Khand @ or from factory sugar after remelting and adequately clarifying the product used and shall contain minimum sucrose 90% by weight;
- (b) shall be of fine sandy texture and free from clods;
- (c) shall be free from any objectionable flavour, dirt, filth, iron fillings, and added colouring matter;
- (d) shall comply with restrictions in regard to aflatoxin content, metallic contaminants, pesticides residues, poisonous metals, crop contaminants, naturally occurring toxic substances as prescribed under the prevention of Food Adulteration Rules, 1955.

@White powder sugar prepared by treating rab (massaquite prepared in open pans) with sewar (hydrilla verticillata) or by centrifuging.

Note : The process clarification may be affected by means of any of the agents normally used for the purpose including milk, suji, (a mixture of crude sodium carbonate and sodium sulphate) lemon juice, tatari (a tartarate) alum of bhindi (Hibiscus Exculentus) water and bleaching agent shall also be used.

[File No. 18011/1/96-M.II]

V. N. MISRA, Economic Advisor (Agricultural Marketing)